भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) का न्यूज लेटर

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

विक्रम सम्वत् - 2077 ● मासिक पत्र : अप्रैल 2021 ● पृष्ठ : 4 ● दिल्ली

भिवानी परिवार मैत्री संघ 'दवाई एवं वस्त्र समिति'

हम सभी रोजाना के उपयोग का अनेकों सामान रोज खरीदते हैं। उसमें से काफी सामान हम उपयोग करते हैं। उपयोग करने के बाद हमारे लिए अनुपयोगी सामान किसी और के लिए बहुत उपयोगी है। हमारे देश में बहुत बड़ी जनसंख्या इन अनुपयोगी सामान को पाकर अपना जीवन अच्छे से चला पाती है। अत:किसी के भी पास उपलब्ध उसके काम ना आने वाली कोई भी वस्तु कपड़े, दवाइयां, चादरें, जूते, बर्तन, बैग, स्कूल मटेरियल, न्यूज पेपर, राशन का सामान या घर की जरूरत का कोई भी सामान उनसे इक्कठा करके **गूंज** नामक संस्था के सहयोग से जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने के लिए इस समिति का गठन किया गया था। जिसमें संस्था के सदस्यों ने समिति का बहुत साथ दिया।

समिति आरम्भ से ही इन वस्तुओं को गूंज संस्था सरिता विहार तक भेज रही है और गूंज द्वारा ये सब सामान सुदूर क्षेत्रों में जरूरतमंद लोगों तक पहुँचाया जाता है। गूंज द्वारा भी संस्था के इस कार्य को भरपूर प्रशंसा मिलती रहती है और यह सब आप सदस्यों के प्रयास एवं सहयोग से ही संभव हो रहा है।

सदस्यों से अपील है कि ज्यादा से ज्यादा मात्रा में सामान उपलब्ध करवाएं । अगर आप हम तक नहीं पहुंच सकते तो समिति के संयोजक अथवा इस पत्र के अंत में लिखे कार्यालय संपर्क पर फोन करें ।

समिति सदस्य

श्री गोविन्द राम बंसल	9312923340
श्री संजय गुप्ता	9811933802
श्री महादेव जिंदल	9810158121
श्री प्रीतम मित्तल	9810872051
श्री सुरेश अग्रवाल	9312213974

भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) की मुख्य मासिक पत्रिका

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

सम्पादक

जगत नारायण भारद्वाज

सह-सम्पादक

सुनीता शर्मा व मनीष गोयल

प्रबंध-सम्पादक

सुश्री मंजीत मरवाहा

कार्यालय

भिवानी परिवार मैत्री संघ, पंजीकृत (BPMS)

एफ-6, कोहली प्लाजा, सी यू ब्लॉक, उत्तरी पीतमपुरा, दिल्ली-110034

दूरभाष : 9999305530, E-mail: admin@ebhiwani.com

http://www.ebhiwani.com

भिवानी के लोग

श्री सांवर मल गोयल

- मानवता के मसीहा श्री सांवर मल गोयल को समर्पित।
- भिवानी के लाला बजरंग लाल भग्गनका-गीना देवी के परिवार में जन्म।
- तीन भाई और दो बहनें ।
- गवर्मेन्ट कॉलेज भिवानी से विज्ञान में स्नातक और अर्थशास्त्र में स्नात्कोत्तर।
- श्रीमती निशा गोयल से विवाह बंधन में बंधकर कीर्ति, रिम्मी और तनुषी तीन प्यारी बेटियों के पिता।
- भिवानी में कपड़े और एजेंसी कार्य करने के बाद नमकीन की फैक्ट्री लगाई।
- नेपाल में गारमेंट एक्सेसरीज का बिजनेस किया।
- वर्तमान में चीन और दिल्ली में आफिस बनाकर गारमेंट एक्सेसरीज, डिस्पोजल, सेफ्टी एवं अन्य आइटम्स इम्पोर्ट का बड़ा व्यवसाय।
- विश्व के बड़े-बड़े राजनेताओं से पत्र व्यवहार का शौक। पत्रों का एक अद्भुत कलेक्शन।
- वर्तमान में भी राजनेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं से पारिवारिक संबंध।
- भरतपुर के डॉक्टर दंपति से जुड़कर अपना घर आश्रम, दिल्ली के सचिव के रुप में कार्य करते हुये हजारों नि:सहाय भाई बहनों की निस्वार्थ सेवा।
- भिवानी में सदानंद महाराज जी के साथ मिलकर अपना घर आश्रम का निर्माण।
- शिवभक्त, 12 ज्योतिर्लिंग और 52 शक्ति पीठों की यात्रा।

सम्पादकीय

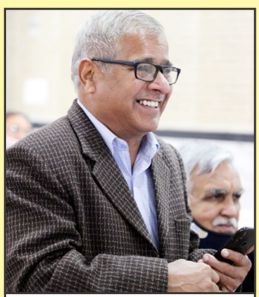

जगत नारायण भारद्वाज

भिवानी अनेक वीरों की जननी है। गतांक में हमने सेठ नंदराम जी का वर्णन किया था। आज हम भिवानी की गौरवगाथा में अभिवृद्धि करने वाले वीरवर ठाकुर पेमासिंह का मातृभूमि के प्रति उत्कट प्रेम की चर्चा करेंगे।

सन् 1809 की बात है कि अंग्रेजी हुकूमत अपना शासन जमाती जा रही थी। इसी को आगे बढ़ाते हुए अंग्रेज सेनापति एडवर्डकार्नर साहब भिवानी की ओर आ रहे थे। आस-पास के गांवों ने अधीनता स्वीकार कर ली थी,परन्तु भिवानी के नौजवानों ने इसे स्वीकार न करते हुए युद्ध करने की ठानी और अंग्रेज सेनापति को ललकारा। जबकि उस समय बुजुर्गों ने युद्ध न करके अधीनता स्वीकार करने की ठान ली थी।पर नियति कुछ और ही थी।

भिवानी के गांव पालुवास में ठाकुर खोखर सिंह के वंशज पेमासिंह उस समय झज्जर नवाब के अंगरक्षक होते थे।जब उनको इस बात का पता चला कि अंग्रेज सेना के कमांडर बाल साहब ने भिवानी पर आक्रमण कर दिया है तो वे नवाब की नौकरी छोड़कर अपने घोड़े के साथ भिवानी की ओर आने के लिए तैयार हुए। नवाब ने कहा कि पेमासिंह तुम कुछ सेना भी साथ ले जाओ, अकेले क्या कमांडर बाल साहब को मारोगे? मां के सपूत ने उसी समय संकल्प लिया कि अगर भगवान ने चाहा तो अकेले ही कमांडर बाल साहब को मारूंगा।

वे झज्जर से चलकर सीधे अपने घोड़े को लेकर युद्ध में जूझ रहे नौजवानों के साथ युद्ध में सहभागी हो गए। इस युद्ध का स्थल आज के महम रोड़ पर प्राचीन नहर के साथ साथ पालूवास रोड पर था। नहर विभाग व सांस्कृतिक सदन के समीप यह युद्ध हुआ था।

मन से लिए गए सच्चे संकल्प को भगवान भी पूरा करते हैं। युद्ध में एक क्षण ऐसा भी आया कि कमांडर बाल साहब के हाथी के सामने पेमासिंह का घोड़ा आ गया और घोड़ा हाथी के सूंड पर ऐसे चढ़ गया जैसे कभी चेतक अकबर के घोड़े पर चढ़ गया था। बाल साहब संभलते कि पेमासिंह की चमचमाती खून की प्यासी तलवार ने कमांडर बाल साहब की गर्दन धड़ से अलग कर दी। जननी के सच्चे सपूत ने अपने संकल्प को पूरा कर लिया।

युद्ध करते हुए एक समय ऐसा आया कि पेमासिंह भी शहीद हो गए।

तब से भिवानी अंग्रेजों के अधीन हो गई। इसीलिए बाल साहब की स्मृति के रूप में वहां पर एक कब्र बना दी गई थी। यह बड़े दु:ख की बात है, कि पेमासिंह का कोई भी स्मारक आज तक न बन सका।

आज उनके वंशजों को पूरे समाज के साथ मिलकर ऐसे वीर सपूतों की स्थाई स्मृति बनाने की पहल करनी चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी उनके जीवन से कुछ सीख लें।

नोट : पेमासिंह के सम्मान में कवि केहरी कृपाण (पुण्यात्मा श्री महावीर प्रसाद मधुप के गुरु) ने एक काव्य भी लिखा है, जो आज अनुपलब्ध है। मधुप जी के काव्य संग्रह में मिल सकता है।

भिवानी के डॉक्टर

घुटनों का ऑपरेशन को नी-रिप्लेसमेंट सर्जरी (Knee Replacement) के नाम से भी जाना जाता है, जिसे उस स्थिति में किया जाता है, जब कोई व्यक्ति घुटनों के दर्द से काफी परेशान रहता है और स्थिति इतनी खराब हो जाती है कि उसे चलने या फिर बैठने में भी काफी परेशानी होने लगती है।

घुटनों में दर्द की समस्या काफी तेजी से फैल रही है, जो पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं में भी देखने को मिलती है।

डॉ. सौरभ मोडा रोहिणी, दिल्ली में एक हड्डी रोग विशेषज्ञ हैं और उन्हें इस क्षेत्र में 23 वर्षों का अनुभव है। डॉ. सौरभ मोडा रोहिणी दिल्ली में मोडा ओर्थोपेडिक्स सेंटर और अगस्त क्रांति मार्ग, दिल्ली में समा अस्पताल में अभ्यास करते हैं।

उन्होंने 1994 में पंडित बीडी शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, रोहतक (हरियाणा) से एमबीबीएस और 2000 में डी.एन.बी. (एम.एस.) सर गंगा राम अस्पताल नई दिल्ली से आर्थोपेडिक्स की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने Zimmer, USA से Joint Replacement और में फेलोशिप किया।

वह लाइव सर्जरी करने के साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में लेक्चर भी देते है।

वह इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन, दिल्ली ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन और इंडियन आर्थोस्कोपी सोसायटी के सदस्य भी हैं। डॉक्टर द्वारा प्रदान की जाने वाली कुछ सेवाएं हैं : गर्दन दर्द उपचार, पीठ दर्द, Joint Replacement (Knee, Hip, Elbow, Shoulder) आर्थोपेडिक सर्जरी, दर्द प्रबंधन, परामर्श और घुटने का दर्द उपचार आदि।

-डॉ. सौरभ मोडा

MBBS , DNB(MS),MNAMS - Orthopedics, Orthopedist

जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं

भिवानी गौरव
श्री इन्द्रपाल सिंह लाम्बा
3 अप्रैल

संरक्षक
श्री अरविंद कुमार चौधरी
6 अप्रैल

संरक्षक
श्री पंकज जैन
15 अप्रैल

संरक्षक
श्रीमती रमन सांगवान
17 अप्रैल

भिवानी गौरव
श्री विजेन्द्र गाफिल
17 अप्रैल

भिवानी गौरव
श्री सूबे सिंह तंवर
18 अप्रैल

संरक्षक
श्री राजीव गुप्ता
19 अप्रैल

भिवानी गौरव
श्री अनिल अग्रवंशी
21 अप्रैल

संरक्षक
श्री संजय कुमार अग्रवाल
22 अप्रैल

भिवानी गौरव
श्री दर्शन कुमार मिड्ढा
26 अप्रैल

तेजस्विनी

श्री वेद प्रकाश व श्रीमती कमला देवी की मेधावी बेटी वंदना वत्स शिक्षा के क्षेत्र में एक जाना पहचाना नाम है। वैश्य महाविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर वंदना जानी जाती है, अपनी कर्मठता और विद्वत्ता के लिए। यूं तो समाज का स्वरूप बहुत व्यापक, परंतु उसमें सबका अपना-अपना सहयोग। वंदना वत्स समाज की संरचना में शिक्षा के माध्यम से अलख जगा अपनी महती भूमिका निभा रही हैं। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर वन्दना के अनेकों शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहे गए हैं। जरूरतमंद छात्रों की मदद, आज का सामाजिक परिवेश और उसमें बेटियों की समस्या और उनके मानसिक पीड़ा को वह बखूबी पढ़ना जानती हैं। समाज के सभी लोगों से उनका जुड़ाव, उनकी सादगी और सरलता उनके व्यक्तित्व में चार चांद लगाते हैं। अपने जीवनसाथी सहायक प्रोफेसर हरिओम कौशिक व दो प्रतिभाशाली बच्चों के साथ वंदना जीवन के उतार चढ़ाव को बखूबी पढ़ना जानती हैं और अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति से जीवन की नई परिभाषा को गढ़ती हैं। नई पीढ़ी में शिक्षा की अलख जगाती वंदना प्रदेश भर में शिक्षा के क्षेत्र में एक जाना पहचाना नाम है। इनके सुपुत्र तेजस एक प्रतिभाशाली छात्र होने के साथ-साथ वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन राष्ट्रीय स्तर पर दिखा चुके हैं। वह अपने यूट्यूब चैनल के द्वारा विभिन्न राष्ट्रभक्ति की बातों को प्रसारित कर चुके हैं। इस सबके पीछे वंदना की प्रेरणा ही है। वंदना का सामाजिक सरोकार उनके क्रियाकलापों से अनेक बार प्रत्यक्ष दिखाई दे जाता है

प्रस्तुति :
श्रीमती अनिता नाथ
9896517300

भिवानी के साहित्यकार

भिवानी परिवार मैत्री संघ (रजि.) द्वारा भिवानी गौरव सम्मान (03 नवम्बर 2019) सम्मानित साहित्यकार एवं लेखक आनन्द प्रकाश 'आर्टिस्ट', गत् 38 वर्षों से शिक्षण, स्वतंत्र लेखन, पत्रकारिता, अभिनय व आकाशवाणी एवं दूर-दर्शन प्रसारणों से जुड़े है। सन् 1990 से फिल्म लेखक संघ मुम्बई के रेगुलर मेम्बर। आकाशवाणी द्वारा 'बी हाई ग्रेड' में अनुमोदित ड्रामा आर्टिस्ट।

कई ऑडियो-विडियो कैसेट्स एवं सी.डी. एलबम का लेखन-निर्देशन, हरियाणा स्वर्ण जयन्ती पर हरियाणा जन्मदिन-गीत तथा गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर देशभक्ति गीतों के रचनाकार। नियन्ता फिल्मस द्वारा निर्मित हरियाणवी फीचर फिल्म 'माटी करै पुकार' में अभिनय किया। 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' विषय पर एक खास लघु फिल्म 'ताई की तकरार' का लेखन एवं निर्देशन किया। कोरोना संक्रमण काल में लोकडाउन के दौरान लघु फिल्म 'लोक डाउन के बाद' का लेखन एवं फिल्म में अभिनय। व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विभिन्न विश्वविद्यालयों में लघु शोध-प्रबंध एवं शोध-पत्र स्वीकृत, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर पांच पुस्तकें प्रकाशित :-

1. आनन्द प्रकाश 'आर्टिस्ट' : व्यक्तित्व एवं कृतित्व (लेखिका-सुनीता गौरा), 2. आनन्द प्रकाश 'आर्टिस्ट' के हरियाणवी गीतों में संवेदनात्मक अभिव्यक्ति (लेखक-डॉ. मनोज भारत, हरियाणा साहित्य अकादमी के अनुदान से प्रकाशित कृति), 3. रेडियो नाटककार : आनन्द प्रकाश 'आर्टिस्ट' (लेखिका-मीना भार्गव), 4. अभिव्यक्ति के विविध आयाम और आनन्द प्रकाश आर्टिस्ट (लेखकों-डॉ. खेमसिंह डहेरिया), 5. Life and Personality of Anand Prakash Artistist (by Kartar Singh Jakhar)।

बहुत सी साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं से जुड़ाव है। भिवानी में सहयोगी आधार पर पुस्तक प्रकाशन की शुरूआत करके बहुत से नवोदितों को लेखन एवं प्रकाशन के लिए प्रेरित करने का श्रेय है। इनमें कई लेखकों को उनकी पहली ही कृति पर हरियाणा साहित्य अकादमी का श्रेष्ठ कृति सम्मान मिला है। बहुत से लेखकों की कृतियों को हरियाणा साहित्य अकादमी की ओर से पुस्तक प्रकाशन अनुदान मिला है। हरियाणा रेडियो एण्ड फिल्म आर्टिस्ट एसोसिएशन के संरक्षक के तौर पर बहुत से लेखकों, कलाकारों एवं श्रोताओं को रेडियो से जोड़ने का श्रेय। कन्या भ्रूणहत्या के विरुद्ध जन चेतना अभियान में विशेष योगदान। हरियाणा के राज्यपाल डॉ. ए.आर. किदवई और भारत की महामहिम राष्ट्रपति महोदया श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल द्वारा प्रयासों की प्रशंसा व उज्वल भविष्य की कामना। अपने स्मृतिशेष पिताश्री (लोक साहित्यकार जयलाल दास) की जयन्ती (20 जनवरी) पर हर वर्ष पुस्तक लोकार्पण एवं सम्मान समारोह का आयोजन करके साहित्य के संरक्षण एवं विकास तथा साहित्यकारों को प्रोत्साहित करने की दिशा में विशेष योगदान दे रहे हैं।

आनन्द प्रकाश 'आर्टिस्ट'

जन्म : 15 अगस्त 1963
जन्म स्थान : झोझू कलां (जिला चरखी दादरी)
माता : श्रीमती मनभरी देवी
पिता : श्री जयलाल दास (स्मृति शेष लोक साहित्यकार, हरियाणा)
शिक्षा : एम.ए.एम.एड, एमफिल और पत्रकारिता एवं जन संचार, कॉलेज प्राध्यापक पात्रता (नेट-स्लेट हिन्दी और पत्रकारिता एवं जन संचार)

पुरस्कार एवं मान-सम्मान

साहित्यिक लेखन, पत्रकारिता, रंगमंच और समाजसेवा आदि के लिए प्रशासन व उल्लेखनीय संस्थाओं की ओर से कई सम्मान व मानद उपाधियां प्राप्त, जिनमें से प्रमुख हैं :-

1. ग्राम पंचायत झोझू कलां द्वारा प्रथम ग्राम-रत्न सम्मान 2012 (16 नवम्बर 2012)
2. भिवानी परिवार मैत्री संघ (रजि.) द्वारा भिवानी गौरव सम्मान (03 नवम्बर 2019)
3. उपन्यास 'खोया हुआ विश्वास' पर हरियाणा साहित्य अकादमी का मुंशी प्रेमचन्द श्रेष्ठ कृति पुरस्कार (2018)

सम्प्रति : शिक्षा विभाग हरियाणा में बतौर प्राध्यापक हिन्दी सेवारत।
स्थायी पता : सर्वेश सदन, आनन्द मार्ग कोंट रोड़ भिवानी -127021 (हरियाणा),
मो. 09416690206, ई मेल : anandprakashartist@gmail.com

प्रस्तुति :
श्री सचिन मेहता
7988010075

व्रत अप्रैल 2021

- नवसंवत आरम्भ, नवरात्रि प्रा. मंगलवार 13 अप्रैल
- चैत्र माह, मेष संक्रांति, मंगलवार 13 अप्रैल
- श्री राम नवमीं, बुधवार 21 अप्रैल
- महावीर जयंती, रविवार 25 अप्रैल

मेरी कलम से

नर सेवा नारायण सेवा

सदियों कि इबादत से बेहतर है वह एक लम्हा
जो तूने बिताया एक इन्सान की खिदमत में।।

सेवा का आनंद विलक्षण है। दुनिया जिसे विलक्षण मानती है, सेवा करने वालों को उसमें रस आता है । मानव समुदाय समाज कहलाता है। मानवसेवा श्रेष्ठ ईश्वर भक्ति है अत: समाज कार्य ईश्वरीय कार्य है । यह आत्म शुद्धि का द्वार है। ममता, आसक्ति और अहंकार रहित होकर मन, वाणी, शरीर एवं धन के द्वारा पीड़ित एवं जरुरतमंदो के हित में रत होकर उन्हें सुख पहुंचाना ही मनुष्य द्वारा की गई समाजसेवा है ।

चिट्ठी मेरे गांव की

भिवानी परिवार मैत्री संघ में संगठन के विस्तार के लिए दिल्ली / एनसीआर कार्यक्षेत्रों को 20 इकाइयों में बांटा गया है और इस समय 'चिट्ठी मेरे गांव की' शीर्षक से इकाई अनुसार कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। मार्च माह में इसमें प्रशांत विहार इकाई, फरीदाबाद इकाई, रिठाला इकाई, सरस्वती विहार इकाई व करोलबाग इकाई के कार्यक्रम आयोजित किये गए है।

● चिट्ठी मेरे गाँव की ● प्रशांत विहार इकाई 28-2-2021 ● संयोजक : श्री विनय सिंघल

● चिट्ठी मेरे गाँव की ● फरीदाबाद इकाई 1-3-2021 ● संयोजक : श्रीमती दर्शना गुप्ता

● चिट्ठी मेरे गाँव की ● रिठाला इकाई 8-3-2021 ● संयोजक : श्री सांवरमल गोयल

● चिट्ठी मेरे गाँव की ● सरस्वती विहार इकाई 12-3-2021 ● संयोजक : श्री विनोद देवसरिया

● चिट्ठी मेरे गाँव की ● करोल बाग इकाई 13-3-2021 ● संयोजक : श्री संजय जैन

विशाल मानव समाज में दु:ख सुख का दोनों है । कष्ट, पीड़ा तथा वैभव का आधार है। इसमें जहां हाहाकार की चीत्कार है तो वहीं शांतिपूर्ण जीवन की समरसता भी है। भूख से बिलबिलाता शैशव और यौवन है तो ऐश्वर्यमय जीवन का भोग भी है । प्रसाद जी इस विषमता के सत्य को प्रकट करते हुए कहते है :-

विषमता की पीड़ा से व्यक्त हो रहा स्पंदित विश्व महान।
यही दु:ख विकास का सत्य, यही भूमा का मुधुमय दान।।

समाज के दु:ख दर्द, कष्ट-वेदना, अभाव, अशिक्षा, अत्याचार-अनाचार को दूर करना ही समाजसेवा के विविध रूप है। आदि से आज तक अनगिनत लोगों ने समाजसेवा में अपने जीवन का क्षण-क्षण समर्पित कर दिया, वे बिना लोभ लालच, आशा-आकांक्षा, इच्छा-लालसा के समाज कार्य में लीन हो गए।

जहां महात्मा गांधी ने अछूतोद्वार का पुण्य व्रत लिया, वहीं उनके शिष्य संत विनोबा भावे ने भूदान की ज्योति जलाई। नोबेल पुरस्कार प्राप्त मदर टेरेसा ने तो अपने जीवन का कण-कण असहाय, पीड़ित लोगों कि सेवा में अर्पित कर दिया । गुरु अर्जुनदेव जी भी स्पष्ट शब्दों में कहते हैं कि निस्वार्थ भाव से सेवा करने वाले व्यक्ति को ईश्वर प्राप्ति होती है।

सेवा करत हो, निहकामी।
तिस कउ होत परापति सुआमी।।

सेवा से अहंकार समाप्त होता है एवं मन में विनम्रता आती है और व्यक्ति लोक परलोक में सम्मान पाता है ।

आप गवाए सेवा करे, ता किछ पाए मान ।
समाजसेवा कठिन है, कठोर तपस्या है ।
तुलसीदास ने भी कहा है सेवाधरम कठिन जग जाना।

समाजसेवा का स्थान ईश्वर भक्ति से उच्च एवं श्रेष्ठतर है। ईश्वर भक्ति 'स्व' की उन्नति (आत्मिक उन्नति) एवं मोक्ष प्राप्ति का साधन है जबकि समाजसेवा जनता की जो कि जनार्दन का ही रूप है, आराधना है ।

मंजीत मरवाहा

सेवा समितियां

भिवानी परिवार मैत्री संघ द्वारा संस्था के कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए जिन समितियों का गठन किया गया था उनका विवरण इस प्रकार है।

1. डी.डी.ए. प्लॉट समिति : श्री अरविंद गर्ग, 9811757577
2. बिजनेस पाठशाला : श्री हंसराज रल्हन, 9212163340
3. संविधान समिति : श्री दिनेश गुप्ता, 9810003215
4. बधाई एवं संवेदना संदेश समिति : श्री हरिकृष्ण अग्रवाल, 9873238530
5. 24 x 7 हेल्थ हेल्प लाईन : श्री पवन मोडा, 9350461306
6. अपना घर आश्रम समिति : श्री सांवरमल गोयल, 9990541122
7. शिक्षा बैंक : श्री पंकज गुप्ता, 9654909070
8. नेत्रदान-देहदान समिति : श्री एन.आर.जैन, 9711917855
9. वैब पोर्टल : श्री प्रमोद शर्मा, 9868162572
10. कृत्रिम अंग सेवा समिति : श्री नवीन जयहिंद, 9313581995
11. आपदा राहत समिति : श्री दिनेश गुप्ता, 9810003215
12. रोजगार समिति : श्री सुशील गनोत्रा, 9899454931
13. विवाह सुझाव एवं मैटरीमोनियल समिति : श्री विनय सिंघल, 9999190575
14. जल सेवा समिति : श्री हरिकृष्ण अग्रवाल, 9873238530
15. पर्यटन समिति : श्री मनीष गोयल, 9811195512
16. यू-ट्यूब समिति : श्री राजेश चेतन, 9811048542
17. वस्त्र एवं औषधि संग्रहण समिति : श्री गोविंदराम अग्रवाल, 9312923340
18. वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केन्द्र (लाइब्रेरी) : श्री विनय सिंघल, 9999190575
19. हमारा बुक बैंक समिति : श्रीमती पूजा जैन, 9212232753

अगर आप भी इनमें से किसी समिति से जुड़ना चाहते है या अपने सुझाव देना चाहते है तो आप समिति के संयोजक से संपर्क कर सकते है।